प्रेस विज्ञप्ति **31-12-2018**

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018 में प्राप्त की गई उपलब्धियां :–

- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय को मानव संसाधन विभाग, भारत सरकार की राष्ट्रीय संस्थागत रैकिंग 1–100 में ओवरऑल 23वां तथा मेडिकल कैटेगरी में 5वां और विश्वविद्यालय की श्रेणी में 15वां स्थान प्राप्त हुआ है, जबकि विगत वर्ष इसे 1 से 100 संस्थाओं में कोई रैकिंग प्राप्त नहीं हुई थी।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा यू0जी0सी0 द्वारा देश के Best Teaching Learning Resource Centre घोषित किया है।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0 भट्ट जी को देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान डॉ0 बी0सी0रॉय अवार्ड से सम्मानित किया गया, जोकि इन्हें Emminent Medical Teacher की श्रेणी में वर्ष 2015 हेतु प्रदान किया गया।
- सोशल आउट रीच सेल द्वारा उत्तर प्रदेश के लगभग 15 जनपदों में निशुल्क चिकित्सा परीक्षण एवं स्वास्थ्य शिविर के अर्न्तगत कुल 26,204 आम जनमानस चिकित्सा सुविधाएं एवं परामर्श से लाभान्वित हुए। के0जी0एम0यू0 के सोशल आउट रीच सेल की महत्वपूर्ण उपलब्धि गोरखपुर जिले में मस्तिष्क ज्वर से प्रभावित गांव भड़साड़ में आरोग्य भारती (अवध प्रान्त) के सहयोग से एक वर्ष तक निरंतर निशुल्क चिकित्सा शिविरों में स्वर्णप्राशन कार्यक्रम का संचालन किया गया। जिससे इस गांव में मस्तिष्क ज्वर से प्रभावित आम जनमानस के सफलतम उपचार में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई है।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में कुल 37 पी0जी0 एवं सुपर स्पेशलिटी सीटें में वृद्धि हुई है, जिनमें से 32 सीटें एम0डी0/एम0एस0, 05 सीटें डी0एम0/ एम0सी0एच0 की बढ़ी हैं।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में मरीजों के तीमारदारों के लिए 210 शैय्या से युक्त 4 मंजिला रैन बसेरा का निर्माण कार्य पूरा हुआ, जिसका लोकापर्ण मा0 गृहमंत्री, भारत सरकार श्री राजनाथ सिंह द्वारा सम्पन्न हुआ। भविष्य में इस रैन बसेरा को 04 मंजिल से बढ़ाकर 10 मंजिला किया जाने का आश्वासन मा0 गृहमंत्री जी ने दिया है।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में मिल्क बैंक की स्थापना किए जाने के संबंध में एन0एच0एम0 की तरफ से 94 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। मिल्क बैंक का निर्माण कार्य प्रगति पर है तथा मानव संसाधन की भर्ती कर ली गई है।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में नेत्र बैंक द्वारा सेंटर ऑफ स्किल की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य विभिन्न नेत्र चिकित्सालय के नेत्र सहायक, प्रबंधक एवं कार्निया प्रत्यारोपण करने वाले टेक्नीशियन को प्रशिक्षण दिया है, जिससे के0जी0एम0यू0 के नेत्र बैंक की तरह ही अन्य नेत्र चिकित्सा संस्थानों में सुविधाओं व चिकित्सा सेवा का लाभ आम जनमानस को मिल सके। इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के नेत्र बैंक में कुल 1075 कार्निया प्रत्यारोपण किया गया।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की कैमिकल पैथालॉजी एवं वायरोलॉजी लैब को (NABL) द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के दंत संकाय को ISO का प्रमाणपत्र 2009:2015 प्राप्त हुआ।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्किल डेवेल्पमेंट के अर्न्तगत राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न प्रशिक्षणों में देश तथा विदेश के यथा अफगानिस्तान, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया एवं यूनाइटेड किंगडम के लगभग 1200 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय को ए0टी0एल0एस0 चेयर इंडिया द्वारा **नोडल सेंटर फॉर ए0टी0एल0एस0** घोषित किया गया।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में तीन नए ओ0पी0डी0 स्पोर्ट्स मेडिसिन, पीडियाट्रिक आर्थोपेडिक एवं जिरयाटिक मेडिसिन की सेवाएं प्रारम्भ की गईं।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में 42 नवीन जीवन रक्षक उपकरण (वेंटिलेटर) स्थापित किए गए।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में 02 अन्तर्राष्ट्रीय एवं 19 राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा 04 अन्तर्राष्ट्रीय एवं 13 राष्ट्रीय संस्थानों के साथ एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किए गए।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में दो नए पाठ्यक्रम **मास्टर ईन हेल्थ प्रोफेशनल मेडिकल एजुकेशन** एवं **मास्टर ईन हॉस्पिटल एंड ऐडमिनेस्ट्रेटिव कोर्स** प्रारम्भ किए गए।
- इस वर्ष किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा चिकित्सा परिसर एवं अन्य सार्वजनिक क्षेत्रों में 119 रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 3565 आमजन ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

विजन–2019

- किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के बलरामपुर स्थित सेटेलाइट कैंपस को शीध्र स्थापित किया जाना।
- राष्ट्रीय स्तर की बर्न यूनिट के शीध्र संचालन किया जाना।
- लीवर ट्रांसप्लांट की सुविधा को प्रारम्भ किया जाना।
- मरीजों के तीमारदारो की सुविधा हेतु उच्च स्तरीय रैनबसेरा, भोजन आदि की व्यवस्था करना।
- शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में रोबोटिक सर्जरी का प्रारम्भ किया जाना।
- मरीजो के उपचार, शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध कार्य की गुणवत्ता को बढ़ाकर चिकित्सा संस्थानों की रैंकिंग में प्रथम तीन में स्थान सुनिशचित करना तथा AIIMS का दर्जा दिलाया जाना।
- स्किल डेवेलपमेंट डिपार्टमेंट द्वारा चिकित्सकों व पैरा चिकित्सकों हेतु दक्षतापरक चिकित्सा शिक्षा प्रदान करना, जिससे देश में सौम्य, सुशील, सुव्यवहारी चिकित्सक व पैरा चिकित्सक कर्मचारी उपलब्ध कराए जा सके।
- कई विशिष्टता एवं अतिविशिष्टता वाले विभागों के लंबित पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करना।